पाठ 25

बंटी का सफर

सीमा और बंटी अपने माता–पिता के साथ बड़ा दिन की छुट्टियों में राँची जानेवाले हैं। उनका घर दानापुर है जो पटना के निकट गंगा नदी की धारा के दो भागों में बँट जाने से उभरे दियारे की ज़मीन पर बसा है। सीमा ने माँ को सामान बाँधने में मदद किया तो बंटी ने पिताजी के साथ रास्ते का नाश्ता बनाया। चलने के पहले पिताजी ने पूछा–क्या सारा जरूरी समान रख लिया गया है ?

माँ ने कहा– कपड़े लत्ते, खाना, पानी, दवाइयाँ, रुपये–पैसे, फोटो पहचान पत्र, ब्रीफकेस एवं बैग की ताला–चाभी आदि हमलोगों ने रख ली है।

सीमा ने कहा– जितना भी सामान हमलोग ले जा रहे हैं उसकी मैंने एक सूची भी बना ली है।

1. अगर आपको कहीं घूमने जाना हो तो आप अपने साथ क्या–क्या सामान ले जायेंगे ?

_____ _____ _____

_____ _____ _____

_____ _____ _____

2. क्या यात्रा पर जाने से पूर्व हमें अपने सामानों की सूची बनानी चाहिए या नहीं ? अपने मित्रों के साथ चर्चा कर बताएँ।

_____

_____

सीमा, बंटी और उसके माता–पिता अपने–अपने सामान लेकर नदी की घाट तक आए। वहाँ से नाव के द्वारा नदी पार कर दानापुर पहुँचे। बस पड़ाव से टेम्पो के द्वारा पटना जंक्शन रवाना हुए। बंटी ने कहा– पटना की सड़कों पर आदमी से ज्यादा रिक्शा, टेम्पो, स्कूटर, मोटर साइकिल, जीप, कार आदि की भीड़ है।

सीमा बोली– गाड़ियों के शोर एवं धुएँ से मेरा जी घबराने लगा है।

अचानक बंटी उँगलियों से इशारा करते हुए बोला वो देखो यहाँ लड़कियाँ भी फर्राटे से स्कूटर और कार चला रही हैं। जबकि अपने गाँव में तो साइकिल चलाने पर भी लोग लड़कियों को टोकते हैं।

सीमा हैरानी से देखते हुए बोली– यहाँ लड़के तो लड़के, लड़कियाँ भी फुल पैंट, जींस, कमीज, कुर्ता, टीशर्ट पहने तथा हाथ में मोबाइल फोन घुमाते नजर आती हैं। जबकि अपने गाँव में लड़कियाँ फ्रॉक, समीज, सलवार या साड़ी पहनती हैं।

3. आपने अब तक किन–किन वाहनों को देखा है ?

पानी पर चलनेवाला	जमीन पर चलनेवाला	हवा पर चलनेवाला

4. आपके यहाँ लड़के–लड़कियाँ या स्त्री–पुरुष कौन–कौन से कपड़े पहनते हैं?

लड़की/स्त्री	लड़का/पुरुष

5. क्या लड़कियों को साइकिल चलाने पर रोका जाना उचित है ?

_____

टिकट कटाकर सभी लोग प्लेटफार्म पर आ गये थोड़ी देर में पटना–हटिया एक्सप्रेस प्लेटफार्म के पास आकर रुकी। यात्रीगण रेलगाड़ी पर चढ़ने–उतरने के लिए धक्का–मुक्की करने लगे। गाड़ी के अन्दर बैठने के लिए थोड़ी देर तक अफरा–तफरी मची रही। सीमा और बंटी लपककर खिड़कियों के समीप बैठ गये। गार्ड बाबू के हरी झंडी दिखलाते ही गाड़ी सीटी देते हुए चल पड़ी। गाड़ी के

अन्दर काफी गहमा–गहमी थी। कुछ लोग आपस में बातचीत कर रहे तो कुछ लोग अखबार पढ़ने में मशगूल थे। थोड़ी ही देर में काला–कोट एवं उजला पैंट पहने टिकट जाँच करने के लिए टी॰टी॰ई॰ डिब्बे में आया। जिन लोगों के पास टिकट नहीं था, उनसे टी॰टी॰ई॰ ने 250/– रुपये जुर्माना के साथ जहाँ तक उन्हें जाना था, उतने रुपये लेकर टिकट बना दिया। बंटी यह देखकर दंग था कि कुछ लोग बिना टिकट कटाये यात्रा करने की कोशिश करते हैं। वह जानता है कि यह एक अपराध है।

6. क्या अपने देखा है रेलगाड़ी के अन्दर किन–किन सामानों की ब्रिकी होती है ?

_____ _____ _____

_____ _____ _____

_____ _____ _____

7. टी॰टी॰ई॰ की तरह गार्ड और चालक की भी निश्चित वेषभूषा होती है। पता कीजिए इनके कपड़े कैसे होते हैं ?

टी॰टी॰ई॰ _____

गार्ड _____

चालक _____

8. बिना टिकट कटाये यात्रा करना चाहिए क्या ? अपने आस–पास पूछ–ताछकर पता लगाइए इससे क्या हानि है ?

_____

_____

सीमा बंटी के आस–पास ही नीलम–पवन, परमानन्द, रेणु, अर्चना, और विक्रांत बैठे थे। कुछ ही पल में सबकी आपस में दोस्ती हो गई। नीलम ने कहा–हमलोग पटना घुमने आये थे।

सीमा ने पूछा–पटना में आपने किन–किन स्थानों को देखा ?

पवन –हमलोग यहाँ चिड़ियाघर घूमे, जहाँ बहुत तरह के पशु–पक्षी हैं। साथ–ही–साथ गोलघर (पटना सग्रंहालय) भी देखने गये जहाँ अनेक तरह की प्राचीन मूर्त्तियाँ, सिक्के, हथियार, चित्र आदि रखे हैं।

नीलम बोली–हमलोग ने सिक्खों के दसवें गुरु श्री **गुरु गोविन्द सिंह** का जन्म स्थान तख्त हरमंदिर में जाकर अपना मत्था टेका।

परमानन्द–हमलोग गोलघर पर भी चढ़े।

9. आपके निकट कौन–कौन से देखनेवाले स्थान हैं ?

_____

_____

बातें करते–करते वे लोग गया पहुँच गये।

रेणु बोली– गया एक प्राचीन शहर है। यहाँ का विष्णु–पद और मंगला गौरी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।

परमानन्द ने कहा– गया से ही सटे बोधगया है। जहाँ बौद्ध धर्म के सस्थापक भगवान बुद्ध के बड़े–बड़े मंदिर हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान बुद्ध को यहीं एक पीपल पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। गया से गाड़ी खुली तो सूखी सी फल्गु नदी दिखाई दी जिसपर बने पुल पर भारी गड़गड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी, जंगल, पहाड़ और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज दिखाई देने लगी सीमा ने पूछा वह क्या दिख रहा है –

10. गुरु गोविन्द सिंह और भगवान बुद्ध के जीवन के बारे में अपने शिक्षकों से पता कीजिए?

_____

_____

गया से गाड़ी खुली। सूखी–सी फल्गु नदी दिखाई दी, जिस पर बने पुल पर भारी गडगड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी।

जंगल, पहाड़, और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज़ दिखाई देने लगी। सीमा ने पूछा– वह क्या दिख रहा है?

रेणु बोली–वह अबरख है ! कोडरमा में चमचमाते अबरख के खान भरे पड़े हैं।

अचानक सीमा की नजर एक ऊँचे पहाड़ पर पड़ी। जिस पर एक छोटा–सा मन्दिर दिख रहा था। अर्चना बोली– यह पारसनाथ का पहाड़ है, जो बिहार और झारखंड राज्य का सबसे ऊँचा पहाड़ है। इसके ऊपर जैन धर्म के 23वें तीर्थकर पार्श्वनाथ का मन्दिर है।

गाड़ी अब गोमो पहुँचनेवाली थी। विक्रांत ने कहा–यह ऐतिहासिक महत्त्व की जगह है। स्वतंत्रता संग्राम के महान् योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को अग्रेजों ने उनके घर में ही कैद कर रखा था। सुभाष चन्द्र बोस उन्हें चकमा देकर कैद से निकल गये और गोमो से फ्रंटियर मेल पकड़कर पेशावर चले गये। बाद में वहाँ से अफगानिस्तान, जर्मनी, जापान होते हुए सिंगापुर पहुँचे तथा आजाद हिन्द फौज की सहायता से अंग्रेजों पर हमला किया।

11. क्या आपने किसी पहाड़ पर चढ़ाई की है ? पहाड़ पर चढ़ते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

_____

_____

12. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर चार्ट पेपर पर बनाइए या चिपकाइए और उनके संबंध में चार–पाँच वाक्य लिखकर कक्षा में टाँगिए।

सुभाष चन्द्र बोस और उनकी फौज का चित्र

सुभाष चन्द्र बोस

गोमो से गाड़ी खुली, रास्ते में पहाड़ी चट्टानों के बीच से होकर बहती दामोदर नदी दिखाई पड़ी। गाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ती हुई बोकरो पहुँची। तभी बंटी ने पूछा यह चिमनियाँ कैसी हैं जिनसे धुआँ निकल रहा है। विक्रांत ने कहा–बोकारो में इस्पात कारखाना है। ये चिमनियाँ उसी की हैं। बोकारो से गाड़ी खुली तो झालदा पहुँची। वहाँ कई यात्री चढ़े, जो बँगला बोल रहे थे।

बंटी की माँ ने कहा, ''झालदा पश्चिम बंगाल में है यहाँ के ज्यादातर निवासी बँगला बोलते हैं। गाड़ी अब राँची पहुँच चुकी थी।''

निशिकान्त और इन्दु उन्हें लेने आए थे। घर जाने के रास्ते में अलग ढंग से साड़ी लपेटे महिलाओं का समूह दिखाई दिया, जो अपनी भाषा में कोई गीत गा रही थीं।

निशिकान्त ने कहा– ये उराँव जनजाति की महिलाएँ हैं। झारखंड में इनके अतिक्ति बिरहोर, मुंडा, संथाल, आदि जनजातियाँ भी रहती हैं। इनकी बोली भी अलग–अलग है। उराँव कुडुख बोलते हैं तो मुंडा मुंडारी और संथालों की भाषा संथाली है।

इन्दु बोली– झारखंड में इसके अतिरिक्त सादरी, नागपुरी, और खोरठा भी बोली जाती है।

बंटी ने कहा– हमारे बिहार में भी काफी भाषाई विविधता है। पटना, गया, नालंदा के लोग मगही बोलते हैं तो वैशाली, मुजफ्फरपुर में बज्जिका। दरभंगा, मधुबनी में मैथिली बोली जाती है तो मुंगेर, भागलपुर में अंगिका। भोजपुर–रोहतास के लोग भोजपुरी बोलते हैं।

13. क्या आपके आस–पास के गाँव के लोग आपकी ही तरह बोलते हैं या कोई अन्तर है पता कीजिए।

_____

_____

_____

छुट्टियों में सीमा–बंटी ने सबके साथ राँची में भारी मशीन का कारखाना, काँके का पागलखाना, नेतरहाट एवं जोन्हा का जलप्रपात देखा। छुट्टियाँ बिताकर वे वापस घर लौटे। इससे वे बहुत खुश थी।

14. अगर आपने कोई यात्रा की है तो उसके संस्मरण कक्षा में सुनाएँ।